वीर नर्मद दक्षिण गुजरात विश्वविद्यालय, सुरत

एम.ए. हिंदी
सेमेस्टर- 2
(2023– 2024, 2024-2025 एवम् 2025-2026 के शैक्षिक वर्षों के लिए)

प्रश्नपत्र – 6. प्राचीन एवम् मध्यकालीन काव्य Core Course-06

पाठ्य पुस्तकें : 1. कवितावली - तुलसीदास संपा.लाला भगवानदीन
2. दयाराम सतसई संपा.भगवतशरण अग्रवाल-महावीरसिंह चौहान (पाश्व पब्लिकेशन, अहमदाबाद)

अध्ययन के लिए निर्धारित क्षेत्र-

इकाई-1. तुलसी का जीवन-वृत्त, ‘कवितावली’ का काव्य-स्वरूप, ‘कवितावली’ का वस्तु-विधान, ‘कवितावली’ का ‘उत्तरकाण्ड’ का महत्त्व, ‘कवितावली’ का भाव और कला-पक्ष।

इकाई-2. ‘दयाराम सतसई’ में अभिव्यक्त प्रेम का स्वरूप, ‘दयाराम सतसई’ में अभिव्यक्त भक्ति और नीति, सतसई परंपरा में ‘दयाराम सतसई’ का स्थान, ‘दयाराम सतसई’ का कला-पक्ष।

इकाई-3. भक्तिकालः सगुण भक्ति-धारा और तुलसीदास. रामभक्ति-धाराः उद्भव और विकास।

इकाई-4. गुजराती मध्यकालीन काव्य-धारा, दयाराम का जीवन-परिचय एवम् रचनाएँ।

अंक-विभाजनः

प्रश्न 1. पठित इकाईयों से पाँच (आठ में से) बहुविकल्पी प्रश्न (5×2=10 अंक)

प्रश्न 2 और 3. इकाई 1 और 2 से एक – एक आलोचनात्मक प्रश्न (13 x 2 = 26 अंक)

प्रश्न 4. इकाई 3 और 4 से एक – एक टिप्पणी का प्रश्न (अ) और (ब)(07 x 2 = 14 अंक)

सहायक ग्रंथ :

१. तुलसी-संपा. उदयभानु सिंह (राजकमल प्रकाशन प्रा.लि. दिल्ली)
२. तुलसी की साधना-आचार्य विश्वनाथप्रसाद मिश्र
३. कवितावली-डॉ.योगेन्द्र प्रताप सिंह (जयभारती प्रकाशन, इलाहाबाद)
४. गोस्वामी तुलसीदास- आचार्य रामचंद्र शुक्ल
५. तुलसीदास-नंदकिशोर नवल (राजकमल प्रकाशन प्रा.लि. दिल्ली)
६. तुलसीदास-संपा.डॉ.विश्वनाथ तिवारी (लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद)
७. तुलसी काव्य मीमांसा-उदयभानु सिंह (राजकमल प्रकाशन प्रा.लि. दिल्ली)
८. लोकवादी तुलसीदास-विश्वनाथ त्रिपाठी (राजकमल प्रकाशन प्रा.लि. दिल्ली)
९. हिन्दी सतसई परम्परा में दयाराम सतसई-रघुनाथ भट्ट (जयभारती प्रकाशन, इलाहाबाद)
१०.प्राचिन कविओ अने तेमनी कृतिओ- संपा.रमणिक देसाई
११.मध्यकालीन गुजराती साहित्यनो तिहास-डॉ.रमेश त्रिवेदी
१२.दयाराम सतसई: मध्यकालीन गुजराती कवि की व्रजभाषा सतसई (साहित्य भावना प्रकाशन प्रा.लि.)
१३.सतसई परम्परा में बिहारी सतसई और दयाराम सतसई-शशिप्रभा जैन (नमन प्रकाशन)

****

डॉ. सतीश पटेल   दि.21/11/2023

प्रश्नपत्र -7. पाश्चात्य काव्यशास्त्र एवम् साहित्यालोचन Core Course-07

अध्ययन के लिए निर्धारित क्षेत्र-

इकाई-1 प्लेटो - काव्य-सिद्धांत , अरस्तू - अनुकरण-सिद्धांत, लोंजाइनस - उदात्त की अवधारणा , ज्योर्ज लुकाच की यथार्थवादी दृष्टि और साहित्य रूप।

इकाई-2 ड्राईड्रन के काव्य – सिद्धांत, वर्ड्सवर्थ -काव्य-भाषा का सिद्धांत , हॉरेस का काव्य-चिंतन कॉलरिज -कल्पना-सिद्धांत और ललित-कल्पना, मैथ्यू आर्नल्ड -आलोचना का स्वरूप और प्रकार्य

इकाई-3 टी.एस.इलियट-परंपरा की परिकल्पना और वैयक्तिक प्रज्ञा, निर्वैयक्तिकता का सिद्धांत,वस्तुनिष्ठ समीकरण, संवेदनशीलता का असाहचर्य, आई.ए.रिचर्ड्स - रागात्मक अर्थ, संवेगों का संतुलन, व्यावहारिक आलोचना, एफ.आर.लीविस-एक आलोचक के रूप में और सैमुअल जॉनसन की साहित्यिक मान्यताएँ।

इकाई-4. सिद्धांत और वाद-शास्त्रवाद,नव्यशास्त्रवाद, स्वच्छंदतावाद, अभिव्यंजनावाद, मार्क्सवाद, मनोविश्लेषणवाद तथा अस्तित्ववाद-सामान्य परिचय व विशेषताएँ।

आधुनिक समीक्षा की विशिष्ट प्रवृत्तियाँ-संरचनावाद, शैली-विज्ञान, विखंडनवाद, उत्तर आधुनिकतावाद-सामान्य परिचय व विशेषताएँ।

अंक-विभाजन-

प्रश्न 1. पठित इकाईयों से पाँच (आठ में से) बहुविकल्पी प्रश्न (5×2=10 अंक)

प्रश्न 2 और 3. इकाई 1 और 2 से एक –एक आलोचनात्मक प्रश्न (13 x 2 = 26 अंक)

प्रश्न 4. इकाई 3 और 4 से एक –एक टिप्पणी का प्रश्न (अ) और (ब) (07 x 2 = 14 अंक)

सहायक ग्रंथ :

१. अरस्तू का काव्य-शास्त्र-डॉ.नगेन्द्र
२. काव्य में उदात्त-तत्व-डॉ.महेन्द्र चतुर्वेदी
३. उदात्त के बारे में-डॉ.निर्मला जैन
४. पाश्चात्य काव्य-शास्त्र की परंपरा-डॉ. नगेन्द्र
५. पाश्चात्य काव्यशास्त्र-डॉ.भगीरथ मिश्र
६. पाश्चात्य साहित्य-चिंतन-संपा.निर्मला जैन,कुसुम बाँठिया (राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली)
७. कार्ल मार्क्स-कला और साहित्य-चितन-संपा.डॉ.नामवर सिंह
८. उत्तर आधुनिकता और उत्तर संरचनावाद-सुधीश पचौरी (हिमाचल प्रकाशन भंडार,दिल्ली)
९. उत्तर आधुनिकता-कुछ विचार-संपा.देव शंकर नवीन तथा मिश्र (वाणी प्रकाशन, दिल्ली)
१०. उत्तर आधुनिकःसाहित्यिक विमर्श-सुधीश पचौरी

****

डॉ. सतीश पटेल

दि. 21/11/2023

प्रश्नपत्र - 8 प्रयोजनमूलक हिंदी : भाग – 2.Core Course-08

अध्ययन के लिए निर्धारित क्षेत्र-

इकाई–1. मीडिया लेखन:

जनसंचार- प्रौद्योगिकी एवम् चुनौतियाँ।

विभिन्न जनसंचार माध्यमों का स्वरूप-मुद्रण, दृश्य-श्रव्य, इंटरनेट।

साहित्य की विधाओं का दृश्य माध्यमों में रूपांतरण।

इकाई- 2. न्यू एवम् सोशल मीडिया :

न्यू मीडियाः अभिप्राय एवम् विविध रूप।

सोशल मीडियाः माध्यम का स्वरूप-एक अपरंपरागत मीडिया

सोशल मीडिया के प्रकार-ट्विटर, व्हाट्सएप, फेसबुक, इंस्टाग्राम

सोशल मीडिया का प्रभाव-सामाजिक, राजनीतिक,सांस्कृतिक, शैक्षिक।

सोशल मीडिया की भाषा।

इकाई-3. अनुवाद - सिद्धांत एवम् व्यवहार:

अनुवाद का स्वरूप, क्षेत्र, प्रक्रिया एवम् प्रविधि।

हिंदी की प्रयोजनीयता में अनुवाद की भूमिका।कार्यालयी हिंदी और अनुवाद।

इकाई-4. व्यावहारिक -अनुवाद-अभ्यास :

व्यावहारिक -अनुवाद-गुजराती या अंग्रेजी से हिंदी में।

कार्यालयी अनुवाद- कार्यालयी एवम् प्रशासनिक शब्दावली, प्रशासनिक प्रयुक्तियाँ,पदनाम, विभाग,पदनामों, अनुभागों, दस्तावेजों, प्रतिवेदनों के अनुवाद, सारानुवाद।

अंक-विभाजन- प्रश्न 1. पठित 1, 2 और 3 इकाईयों से पाँच (आठ में से) बहुविकल्पी प्रश्न (5×2=10 अंक)

प्रश्न 2 और 3. इकाई 1 और 2 से एक – एक आलोचनात्मक प्रश्न (13 x 2 = 26 अंक)

प्रश्न 4. इकाई 3 में से (अ) एक टिप्पणी का प्रश्न (07 x 01 = 07 अंक)

इकाई 4 से (ब) एक – व्यावहारिक –अनुवाद (गुजराती या अंग्रेजी से हिंदी में) के साथ

अथवा में एक कार्यालयी अनुवाद टिप्पणी का प्रश्न (07 x 01 = 07 अंक)

सहायक ग्रंथ :

१. प्रयोजनमूलक हिंदी- कमल कुमार बोस (क्लासिकल पब्लिशिंग कम्पनी, दिल्ली)

२. हिंदी पत्रकारिता-कृष्ण बिहारी मिश्र (भारतीय ज्ञानपीठ, दिल्ली)

३. प्रयोजनमूलक हिंदी और पत्रकारिता-डॉ.दिनेश प्रसाद सिंह (वाणी प्रकाशन, दिल्ली)

४. राजभाषा प्रशासनिक शब्दकोश-डॉ.एस.त्यागी (भारत भारती, दिल्ली)

५. प्रारूपण, टिप्पण और प्रूफ पठन-डॉ.भोलानाथ तिवारी (वाणी प्रकाशन, दिल्ली)

६. अनुवाद-बोध-डॉ.गार्गी गुप्त

७. मीडिया और साहित्य-सुधीश पचौरी

८. अनुवाद-विज्ञान-डॉ.भोलानाथ तिवारी

९. मीडिया-लेखन-डॉ.चंद्रप्रकाश मिश्र (संजय प्रकाशन, दिल्ली)

१०.रेडियो और दूरदर्शन पत्रकारिता-डॉ.हरिमोहन

११.आधुनिक विज्ञापन और जन संपर्क-डॉ.तारेश भाटिया

१२.समाचार फीचर लेखन एवम् संपादन कला--डॉ.हरिमोहन

१३.संपादन कला एवम् प्रूफ पठन-डॉ.हरिमोहन

१४.सोशल नेटवर्किंगःकल और आज-राकेशकुमार (रीगी पब्लिकेशन)

डॉ.सतीश पटेल

दि.21/11/2023

प्रश्नपत्र - 9. A. आधुनिक हिंदी काव्य Course Course-09

पाठ्य-पुस्तकें:   1. परशुराम की प्रतीक्षा (काव्य-संग्रह) -रामधारी सिंह 'दिनकर'
प्रकाशकः केदारनाथ सिंह,उदयाचल,राष्ट्रकवि दिनकर पथ,राजेन्द्रनगर,पटना-800016
2. अँधा युग-धर्मवीर भारती

अध्ययन के लिए निर्धारित क्षेत्र-

इकाई-1.   परशुराम की प्रतीक्षा -'दिनकर'

'परशुराम की प्रतीक्षा' का काव्य- स्वरूप, 'परशुराम की प्रतीक्षा' का सन्देश , 'परशुराम की प्रतीक्षा'' की कविताओं में कवि के युद्ध संबंधी विचार, 'परशुराम की प्रतीक्षा' का भाव पक्ष और कलापक्ष ।   तथा

'दिनकर' की जवानियाँ, हिम्मत की रौशनी, लोहे के मर्द, जनता जगी हुई है, आज कसौटी पर गांधी की आग है, जौहर कविताओं का भाव और कला पक्ष तथा कविताओं में व्यक्त विचार।

इकाई-2.   अँधा युग-धर्मवीर भारती

अँधायुग' युद्ध की विभीषिका दिखाने वाली रचना,अँधायुग' का काव्य-स्वरूप-काव्य-नाटक/गीति नाट्य,'अँधायुग' एक मिथकीय आख्यान के रूप में, 'अँधायुग' के प्रमुख पात्र, 'अँधायुग' का कला-पक्ष।

इकाई-3.   'दिनकर' की आपद्धम, पाद टिप्पणी, शांतिवादी, अहिंसावादी का युद्ध-गीत कविताओं का भाव और कला पक्ष तथा संदेश

इकाई-4.   स्वातंत्र्योत्तर हिंदी प्रबंध – काव्य- जनवादी काव्य, अँधायुग' में संवाद-योजना, उद्देश्य एवम् शीर्षक।

अंक-विभाजनः

प्रश्न 1.पठित इकाईयों से पाँच (आठ में से) बहुविकल्पी प्रश्न (5×2=10 अंक)

प्रश्न 2 और 3. इकाई 1 और 2 से एक – एक आलोचनात्मक प्रश्न (13 x 2 = 26 अंक)

प्रश्न 4. इकाई 3 और 4 से एक – एक टिप्पणी का प्रश्न (अ) और (ब)(07 x 2 = 14 अंक)

सहायक ग्रंथ :

१. दिनकर अर्धनारीश्वर कवि-नन्दकिशोर नवल (राजकमल प्रकाशन प्रा.लि.नई दिल्ली)

२. धूप छाँही दिनकर-शम्भूनाथ (राजकमल प्रकाशन प्रा.लि.नई दिल्ली)

३. युगचारण दिनकर-सावित्री सिन्हा

४. जनकवि दिनकर-सत्यकाम वर्मा

५. राष्ट्कवि दिनकर एवम् उनकी काव्य-कला-शिखरचंद्र जैन

६. दिनकर और उनकी काव्य-प्रवृत्तियाँ-डॉ.शिवचंद्र शर्मा, जनवाणी प्रकाशन, कलकत्ता

७. रामधारी सिंह दिनकर-मन्मथनाथ गुप्त, राजपाल एण्ड सन्ज़, दिल्ली

८. राष्ट्र कवि दिनकर-सं.डॉ.गोपाल, ग्रंथ निकेतन, पटना

९. नयी कविता के प्रबंध काव्या- शिल्प और जीवन दर्शन- डॉ उमाकान्त गुप्त

१०.साठोत्तरी हिन्दी कविता में जनवादी चेतना,- नरेन्द्रसिंह (वाणी प्रकाशन, दिल्ली)

डॉ. सतीश पटेल   दि. 21/11/2023

११.समकालीन हिन्दी कविता- तिवारी, विश्वनाथप्रसाद (लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद)
१२.आधुनिक कविता का पुनर्पाठ-करुणासंकर उपाध्याय (राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली)
१३.धर्मवीर भारती और उनका अँधायुग-श्री राकेश (प्रकाशन केन्द्र, लखनऊ)
१४.अँधायुगः एक सृजनात्मक उपलब्धि-डॉ.सुरेश गौतम
१५.धर्मवीर भारतीः अनुभव और अभिव्यक्ति-लक्ष्मणदत्त गौतम

****

डॉ.सतीश पटेल   दि.21/11/2023

प्रश्नपत्र – 10. दृश्य-श्रव्य माध्यम लेखन Core Course -10

अध्ययन के लिए निर्धारित क्षेत्र-

इकाई-1	माध्यमोपयोगी लेखन का स्वरूप और प्रमुख प्रकार, हिंदी माध्यम लेखन का संक्षिप्त इतिहास,हिंदी के समक्ष आधुनिक जनसंचार और सूचना प्रौद्योगिकी की चुनौतियाँ।
इकाई-2	टी.वी. नाटक की तकनीक, संचार माध्यम के अन्य विविध रूप, टेली ड्रामा, टेली फिल्म, डाक्यूड्रामा तथा टी.वी.धारावाहिक में साम्य-वैषम्य। पटकथा का अर्थ और परिभाषा,पटकथा लेखन में प्रतिभा,कल्पना और अभ्यास का महत्त्व।
इकाई-3.	रेडियो नाटक की प्रविधि, रंगनाटक, पाठ्यनाटक और रेडियो नाटक में अंतर। रेडियो नाटक के प्रमुख भेद-रेडियो धारावाहिक, रेडियो रूपांतर, रेडियो फैन्टेसी, संगीत रूपक, आलेख रूपक (डॉक्यूमेंट्री फीचर)।
इकाई-4	इलैक्ट्रॉनिक मीडिया द्वारा प्रसारित समाचारों के संकलन-संपादन और प्रस्तुतीकरण की प्रविधि,संचार माध्यमों द्वारा प्रसारित विज्ञापनों की भाषा, विज्ञापन फिल्मों की प्रविधि,संचार माध्यमों की भाषा।

अंक विभाजन-

प्रश्न-1 पठित इकाईयों से पाँच (आठ में से) बहुविकल्पी प्रश्न (5×2=10 अंक)

प्रश्न- 2 और 3. इकाई 1 और 2 से एक – एक आलोचनात्मक प्रश्न (13 x 2 = 26 अंक)

प्रश्न- 4 इकाई 3 और 4 से एक-एक टिप्पणी का प्रश्न (अ) और (ब)(07 x 2 = 14 अंक)

सहायक ग्रंथ :

१. मीडिया-लेखन-डॉ.चंद्रप्रकाश मिश्र (संजय प्रकाशन, दिल्ली)

२. दूरदर्शन की भूमिका-सुधीश पचौरी

३. जनसंचार-विविध आयाम-ब्रजमोहन गुप्त

४. मीडिया और साहित्य-सुधीश पचौरी

५. रेडियो और दूरदर्शन पत्रकारिता-डॉ. हरिमोहन

६. भारतीय इलैक्ट्रॉनिक मीडिया-देवव्रत सिंह (प्रभात प्रकाशन, नई दिल्ली)

७. मीडिया और बाजारवाद-रामशरण जोशी (राधाकृष्ण प्रकाशन)

८. फीचर लेखनःस्वरूप और शिल्प-डॉ.मनोहर प्रभाकर(राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली)

९. समाचार संपादन-कमल दीक्षित, महेश दर्पण (राधाकृष्ण प्रकाशन)

१०.टेलीविज़न कार्यक्रम निर्माण प्रक्रिया-महाराज शाह (प्रभात प्रकाशन, नई दिल्ली)

११.इलैक्ट्रॉनिक मीडिया-पी.के.आर्य (प्रभात प्रकाशन, नई दिल्ली)

****

डॉ. सतीश पटेल

दि. 21/11/2023